>

Title: Need to implement concrete programmes for improvement of living conditions of farmers to mark the birth centenary of Late Prime Minister Chaudhary Charan Singh.

श्री संजय सिंह चौहान (बिजनौर): सभापति महोदय, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह की जयन्ती पर यह तय किया गया था कि एक कमेटी कांस्टीट्यूट होगी। वह कमेटी कांस्टीट्यूट हुई, उस कमेटी ने यह रिकमेंडेशन दी कि उसके जरिए कुछ सम्मेलन हों, सेमिनार्स हों क्योंकि खेती के ऊपर उनके जो विचार थे, वे आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं कि पूरा देश इस समय कृषि उपज की कमी से जूझ रहा है। उनके द्वारा एग्रीकल्चर इकोनोमिक्स पर लिखी हुई किताबों का प्रचार-प्रसार आवश्यक है। वर्ष 2002 से लेकर 2009 तक यह अक्सर देखने में आ रहा है कि जिस दिन किसी महापुरूष की जयन्ती मनाई जाती है, उस दिन घोषणाएं कर दी जाती हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता है। यह बात प्रासंगिक इसलिए भी है कि उनका जन्मदिन 23 दिसंबर को आने वाला है और देश में उनके विचारों का प्रसार आवश्यक है। जो घोषणा सरकार ने की थी, दस करोड़ रूपए भी उसके लिए मंजूर किए गए थे सेमिनार्स के लिए, कोई लाइब्रेरी फार्म करने के लिए या आज के जो जनप्रतिनिधि हैं, उनको बताया जा सके कि खेती कैसे लाभप्रद हो सकती है और हमारा देश कैसे अपने आत्मसम्मान के साथ, जो उसने कृषि उपज में प्राप्त किया था, आगे बढ़ सकता है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि वर्ष 2002 में जो निर्णय लिया गया था, उसे लागू करें और 23 तारीख से पहले-पहले इस सम्बन्ध में कोई रिपोर्ट आपके माध्यम से हमें मिले।

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): महोदय, मैंने नोटिस दी है। एलआईसी एजेंट्स के बारे में बहुत महत्वपूर्ण विषय है। अगर कोई एबसेंट हो, तो उसकी जगह मुझे बोलने का मौका दिया जाए।

MR. CHAIRMAN : Your name is not there in the list. Please take your seat.